प्रकरण १ राष्ट्रीय सुरक्षा

सुरक्षा का अर्थ

सुरक्षा व्यवस्था जीवन की आवश्यकता है । प्राणिमात्र के सामान्य जीवों को भी स्व-सुरक्षा के लिए शक्ति और साधनों के अनुरूप व्यवस्था प्रकृति ने करके दी है । जो बात सामान्य प्राणिमात्र के लिए है वही मानवीय जीवन की है ।

सुरक्षा संकल्पना व्यक्ति, समाज और देश से संबंधित है । सुरक्षा, शांति और स्थिरता निर्माण करती है । उसी प्रकार अनिश्चितता से सुरक्षा देती है । राष्ट्र-राष्ट्र में चुनौतियाँ-प्रतिचुनौतियाँ होती हैं । राष्ट्र की स्वाधीनता, राष्ट्रीय मूल्य, राष्ट्रीय भूमि का संरक्षण होना चाहिए । प्रादेशिक अखंडता, नागरिक जनजीवन और राष्ट्रीय साधन संपत्ति की परकीय आक्रमण से रक्षा करना ही राष्ट्रीयता की रक्षा है । इसका अर्थ राष्ट्र की राष्ट्रीयता, संप्रभुता की रक्षा के लिए कार्यवाही में लाए जाने वाले सभी संरक्षक उपायों को 'राष्ट्रीय सुरक्षा' कहा जाता है ।

भारत का इतिहास

प्राचीन काल से भारतीय इतिहास की ओर देखने से पता चलता है कि भारत पर पश्चिम-उत्तर दिशा से विदेशियों के आक्रमण हुए थे । उस समय भारतीय राजाओं के अधिकार में अलग-अलग राज्य थे ।

उदा. मौर्य, गुप्त, मराठा आदि ने राष्ट्रीय स्तर पर विदेशी आक्रमणों का प्रतिकार करने की क्षमता लोगों में निर्माण की थी । अपने राज्य की सुरक्षा और राज्य विस्तार के लिए सुरक्षा संबंधी उपाय तथा योजनाएँ, उसका प्रारूप तथा नियोजन और संरक्षण व्यवस्था की योजना दिखाई देती है ।

संकल्पना

राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में सोचते समय कुछ संकल्पनाओं को समझ लेना आवश्यक है क्योंकि उनका राष्ट्र और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंध है । राष्ट्र, राष्ट्रराज्य, राष्ट्रवाद, राष्ट्रहित, राष्ट्रशक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा इत्यादि संकल्पनाएँ इस प्रकार हैं -

- **राष्ट्र :** राष्ट्र अर्थात एक ही भौगोलिक प्रदेश में एक ही संस्कृति, एक ही वंश, धर्म के अथवा भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं । उनमें एकता की भावना होती है । उस प्रदेश को राष्ट्र कहा जाता है ।

- **राष्ट्रराज्य :** कोई राष्ट्र, 'राष्ट्रराज्य' कब होता है ? भूप्रदेश, लोग और संप्रभुता इन तीन घटकों के कारण राष्ट्रराज्य बनता है। भारत एक राष्ट्रराज्य है । राष्ट्रराज्य में अनेक प्रकार की विविधता हो सकती है । उदा. भारत में वांशिक, धार्मिक, जातीय, भाषिक, भौगोलिक, आर्थिक जैसी अनेक विविधताएँ हैं ।

- **राष्ट्रवाद :** राष्ट्रवाद की परिभाषा 'राष्ट्र' इस संकल्पना के स्पष्टीकरण में ही है । लोगों की देश हित के बारे में जो भावनाएँ व्यक्त होती हैं उसे राष्ट्रवाद कहा जाता है । उदा. जब हम भारत के राष्ट्रवाद के बारे में बोलते हैं तब भारत को

एक संघराज्य कहते हैं । उसमें विविध भाषा, धर्म के लोगों की पहचान भारतीय रूप में ही होती है । अतः भारत को एक संघ कहा जाता है ।

- **राष्ट्रहित :** राष्ट्रहित देश के मूलभूत मूल्यों से संबंधित होता है । इन मूल्यों को देश का भौगोलिक विस्तार, राजकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक घटकों के आधार पर निश्चित किया जाता है । ये मूल्य देश के संविधान में हैं । भारतीय संविधान के घोषणापत्र में ये अंतर्निहित हैं । जनतंत्र, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, गणराज्य, संघराज्य पद्धति और समानता ये भारत के मूलभूत मूल्य हैं । इन मूल्यों के कारण देश का सांस्कृतिक इतिहास, संस्कृति, समाज, अर्थव्यवस्था और राज्यसंस्थान के प्रकार की प्रणाली समझ सकते हैं ।

- **राष्ट्रीय सामर्थ्य :** राष्ट्रीय सामर्थ्य की सहायता से देश के मूलभूत मूल्य और राष्ट्रहित की रक्षा होती है । देश की रक्षा की क्षमता को राष्ट्रीय सामर्थ्य कहा जाता है । प्राचीन काल से आज तक राष्ट्रीय सामर्थ्य राजनीति के केंद्रस्थान में रही है । अतः राष्ट्रीय सामर्थ्य प्राप्त करने के प्रयास प्रत्येक राष्ट्र द्‌वारा किए जाते हैं । जिस देश का राष्ट्रीय सामर्थ्य प्रभावी होता है, वह देश किसी भी क्षेत्र में अपने हितसंबंध बढ़ाने में समर्थ रहता है । जिस देश का राष्ट्रीय सामर्थ्य कमजोर होता है, वह देश अपने हितसंबंध सुरक्षित रखने के लिए अन्य राष्ट्रों से सहयोग लेता है । अपने राष्ट्रहित की दृष्टि से दूसरे देशों के साथ होने वाले संबंधों को प्रभावित करने की क्षमता को 'राष्ट्रीय सामर्थ्य' कहा जाता है ।

हर राष्ट्र अपने अस्तित्व के लिए तथा अपने हित की रक्षा करने के लिए अपना राष्ट्रीय सामर्थ्य (शक्ति) बढ़ाने का अनेक तरीकों से प्रयास करता है ।

राष्ट्रीय सामर्थ्य देश की भौतिक तथा अभौतिक घटकों की सहायता से अस्तित्व में आता है । भौतिक घटकों में कोयला, लौह, इस्पात अन्य खनिज तथा पानी जैसे प्राकृतिक साधन संपत्ति का समावेश होता है । इनकी सहायता से राष्ट्रीय औद्‌योगिक क्षमता निर्माण की जाती है । भारत का अंतरिक्ष संशोधन और अणुविज्ञान क्षेत्र का योगदान भारत की राष्ट्रीय सामर्थ्य निर्मिति का बड़ा घटक है । अभौतिक घटकों में देश की जनसंख्या, उनका मनोधैर्य और देश के प्रति होने वाली जिम्मेदारी आदि का समावेश होता है ।

- **राष्ट्रीय सुरक्षा :** अपना अस्तित्व कायम रखने के लिए किए गए उपायों को सुरक्षा कहा जाता है । हर राष्ट्र की आंतरिक तथा बाह्‌य चुनौतियाँ होती हैं । उनसे राष्ट्र रक्षा के उपाय निश्चित किए जाते हैं । अतः राष्ट्रीय सुरक्षा में राष्ट्र के बाह्‌य आक्रमण के साथ ही देशांतर्गत शत्रु से देश की रक्षा भी महत्त्वपूर्ण है । बाह्‌य आक्रमण, रोज घटने वाली घटना नहीं है फिर भी शांतिकाल में राष्ट्र सुरक्षा के लिए की गई तैयारी अथवा किए गए उपाय इनका राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ संबंध होता है । अतः शांति के समय सजग रहकर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए निर्मित सुरक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय सुरक्षा कहा जाता है ।

राष्ट्रीय सुरक्षा में मूलभूत मूल्यों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय सामर्थ्य का उपयोग किया जाता है । इसी प्रकार देशांतर्गत सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक व राजकीय सुरक्षा के लिए अन्य प्रतिबंधात्मक उपाय किए जाते हैं ।

उपक्रम

१. अलेक्जेंडर द्‌वारा भारत पर किए आक्रमण के संदर्भ में वाचन कीजिए । अलेक्जेंडर की भारत के किन–किन राजाओं ने मदद की । अलेक्जेंडर तथा पोरस में हुई झेलम की लड़ाई का वर्णन पढ़िए । पोरस राजा के स्वाभिमान और पराक्रम का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए ।

२. अलेक्जेंडर (सिकंदर) व राजा पुरू (पोरस) के बीच हुए संवाद को अध्यापकों के मागदर्शन में तैयार कीजिए तथा उसका नाट्‌यीकरण प्रस्तुत कीजिए ।

३. सम्राट अशोक के कालावधि वाले भारत के मानचित्र का अवलोकन कीजिए । प्राचीन भारत के (राजकीय) प्रारूप में सम्राट अशोक के साम्राज्य विस्तार की सीमा/स्थल/स्थान दिखाइए । (संदर्भ के लिए-इतिहास तथा नागरिक शास्त्र कक्षा ६ वीं की पाठ्यपुस्तक देखें ।)

४. निम्नांकित मुद्दों पर चर्चा कीजिए ।

अ) विदेशी आक्रमण का मुकाबला करने के लिए राष्ट्रीय एकात्मता का महत्त्व ।

ब) राष्ट्रीय एकात्मता के लिए भारतीय संविधान में की गई व्यवस्था/ किया हुआ प्रबंध ।

उपर्युक्त में से किसी एक घटक पर चर्चा करके मुद्दे लिखिए ।

५) 'भारत के प्राकृतिक संसाधन, राष्ट्रशक्ति के महत्त्वपूर्ण घटक हैं,' इस विषय पर टिपण्णी लिखिए ।

६) 'भारत में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विकास,' इस विषय पर चर्चा करें । चर्चा में आए मुद्दे यहाँ लिखिए ।

७. भारत के आणविक और अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति पर गुटचर्चा करें और गुटचर्चा की महत्त्वपूर्ण बातों को लिखें ।

JAJRS3